



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, जनवरी 10, 1985/पौष 20, 1906  
No. 16] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 10, 1985/PAUSA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय

(सिविल विमानन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1985

सा. का. नि. 16 (अ) :—वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, भारत सरकार के पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 12, तारीख 14 दिसम्बर, 1983 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 7 जनवरी, 1984 को प्रकाशित किया गया था और ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उनसे प्रभावित होने की सम्भावना थी, आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को तारीख 7 जनवरी, 1984 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और उक्त प्रारूप पर जनसाधारण से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायु-

यान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (प्रथम संशोधन) नियम, 1985 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 में, अनुसूची 4 में, अनुभाग (3) के, पैरा 3.1.2.2 के खंड (iv) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(iv) करनव उतनी ऊंचाई पर किए जाएंगे जिस पर भूमि के ऊपर 600 मीटर (2000 फीट) से अन्यून ऊंचाई पर या ऐसी उच्चतर ऊंचाई पर जो करतव प्रवर्ग के किसी वायुयान की बाबत जारी किए गए उड़्डयन योग्य प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाए, परिचालन पूरा किया जा सके।”

टिप्पण

मूल नियम ( वायुयान नियम, 1937) अधिसूचना सं. V-26, तारीख 23 मार्च, 1937 के अधीन प्रकाशित किए गए थे।

[फा. सं. ए.बी.-11012/3/83-ए]  
जितेन्द्र नाथ कौल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL  
AVIATION

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 8th January, 1985

NOTIFICATION

G.S.R. 16(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1937 were published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. G.S.R. 12, dated 14th December, 1983 in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 7th January, 1984 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby ;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the Public on the 7th January, 1984;

And whereas no objections or suggestions have been received from the Public on the said draft ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following

rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (First Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, in Schedule IV, in Section 3, in para 3.1.2.2, for clause, (iv), the following clause shall be substituted, namely :—

“(iv) the aerobatics shall be commenced at such a height that will permit completion of the manoeuvre at a height of not less than 600 metres (2000 ft.) above the ground or above such higher height as may be specified in the certificate of airworthiness issued in respect of an aircraft in aerobatic category.”

FOOT NOTE

Principal Rules (Aircraft Rules, 1937) published vide Notification No. V-26, dated 23rd March, 1937.

[F. No. AV-11012|3|83-A]

J. N. KAUL, Jt. Secy.